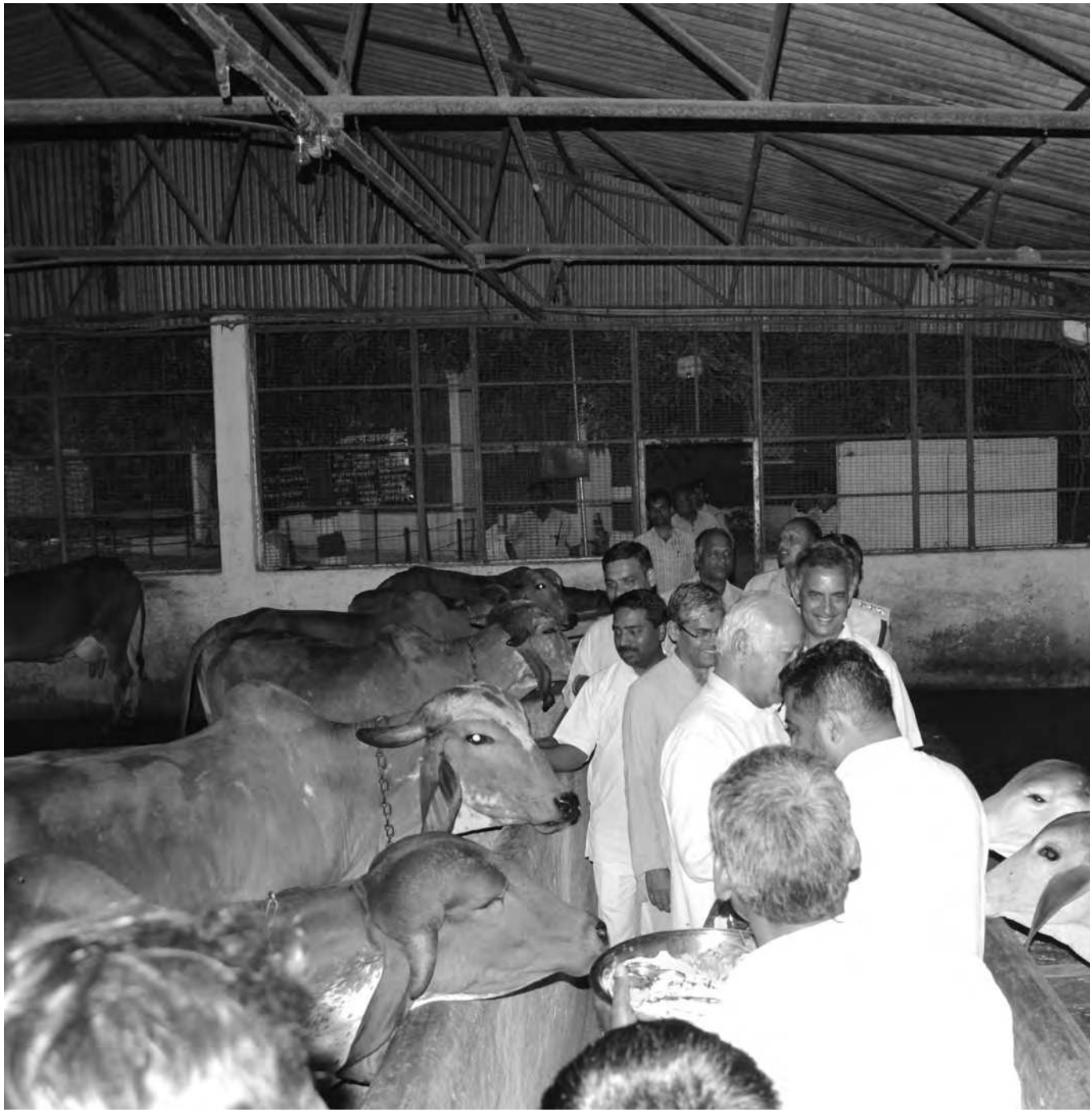

देख-रेख एवं पशुपालन सञ्बन्धी आधुनिक तकनीकियों को पशुपालको तक पहुंचाने के लिए, 15 दिवसीय प्रशिक्षण देने की योजना है। इसमें दसवीं तक शिक्षित युवक का चयन करने की प्रक्रिया है ताकि आगामी समय में प्रशिक्षण हो सके। आप अपने ग्राम से एक योग्य युवक का चयन कराने में सहयोगी हो सकते हैं। बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण कराया जाता है। प्रत्येक स्वावलंबन केन्द्र में पशु-टीकाकरण का आयोजन होता है। इसके अलावा पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर पशुओं को रोग से बचाने के उपाय बताए जाते हैं। पशुपालन का अभिप्राय केवल दूध उत्पादन नहीं है, बल्कि गाय का गोबर-गोमूत्र जीवनपर्यंत आवश्यक होता है। चित्रकूट में